ISSN 0974 1666

सी.सी.आर.यू.एम.

# न्यूज़लेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 41 • अंक 1 जनवरी–मार्च 2021

## यूनानी दिवस 2021 एवं यूनानी चिकित्सा पर राष्ट्रीय सम्मेलन

*माननीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू यूनानी चिकित्सा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए।*

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 11 फरवरी 2021 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में यूनानी दिवस के अवसर पर यूनानी चिकित्सा पर एक संकर गुणकारी राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। 'यूनानी चिकित्सा: कोविड–19 के समय में अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर आधारित इस सम्मेलन में विषय से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण वैज्ञानिक विचार–विमर्श हुआ।**

### उद्घाटन

सम्मेलन का उद्घाटन **श्री किरेन रिजिजू,** माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय एवं अतिरिक्त प्रभार, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने **वैद्य राजेश कोटेचा,** सचिव, आयुष मंत्रालय, **श्री प्रमोद कुमार पाठक,** अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, **प्रो. आसिम अली ख़ान,** महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और **डॉ. एम.ए. क़ासमी,** संयुक्त सलाहाकर (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की भव्य उपस्थिति में किया।

*11 फरवरी 2021 को यूनानी दिवस के अवसर पर के.यू.चि.अ.प., आयुष मंत्रालय द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में यूनानी चिकित्सा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मलेन के उद्घाटन सत्र के दौरान राष्ट्रगान गाते हुए गणमान्य व्यक्ति।*

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए **श्री किरेन रिजिजू** ने कहा कि विभिन्न सभ्यताओं के सर्वोत्तम ज्ञान से समृद्ध यूनानी चिकित्सा लोगों के पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए सबसे समृद्ध प्रणाली है। उन्होंने आगे कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बने आयुष मंत्रालय ने चिकित्सा अनुसंधान एवं स्वास्थ्य सेवा वितरण में सराहनीय कार्य किया है विशेषकर कोविड–19 महामारी के दौरान मंत्रालय की भूमिका असाधारण रही है।

**माननीय मंत्री श्री श्रीपाद येस्सो नाईक** ने अपने रिकॉर्डेड वीडियो संदेश में कोविड–19 के विरूद्ध लड़ाई में आयुष हितधारकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने अपने कठिन समय में प्रार्थना और समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए **वैद्य राजेश कोटेचा** ने कहा कि यूनानी चिकित्सा और के.यू.चि.अ.प. ने कोविड–19 के विरुद्ध लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आईसीडी–11 में शामिल करने के लिए आयुष शब्दावली के मानकीकरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ समझौता ज्ञापन और आयुष मंत्रालय द्वारा आयुष स्वास्थ्य सेवा वितरण में आईटी के समाकलन के लिए की गई पहलों जैसे नमस्ते पोर्टल, ए–एचएमआईएस इत्यादि पर प्रकाश डाला और इन पहलों में के.यू.चि.अ.प. के योगदान की सराहना की।

अपने स्वागत भाषण में **प्रो. आसिम अली ख़ान** ने सम्मेलन के विषय की

*वैद्य राजेश कोटेचा*

पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और बताया कि के.यू.चि.अ.प. ने कई अन्य उपायों के साथ–साथ अपने विभिन्न केंद्रों पर दो प्रोफाइलैक्सिस और दो नैदानिक अध्ययन सहित चार परियोजनाओं की शुरुआत की और कोविड–19 के विरुद्ध लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई। उद्घाटन सत्र का समापन **डॉ. एम.ए. क़ासमी** के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

## तकनीकी सत्र

तकनीकी सत्र के दौरान प्रख्यात चिकित्सा वैज्ञानिकों ने 'पारंपरिक चिकित्सा एवं कोविड–19 महामारी से निपटने में इसकी भूमिका', 'पारंपरिक एवं आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों का एकीकरण', 'कोविड–19 महामारी के दौरान यूनानी चिकित्सा की रोगप्रतिरोधक बढ़ाने की क्षमता', 'कोविड–19 के कारण अकादमिक क्षेत्र में तनाव की समस्याः तिब्ब–ए–यूनानी में संभावित समाधान', 'कोविड–19 महामारी का मुक़ाबला करने में हितधारकों की भागीदारी', 'कोविड–19 महामारी के दौरान यूनानी एवं अन्य आयुष पद्धतियों की भूमिका', 'औषधीय पादप – आयुष क्षेत्र में वर्तमान परिदृश्य' और 'कोविड–19 महामारी के समय में नई औषधि के विकास के लिए योजना' पर मुख्य भाषण दिए। सम्मेलन में 'यूनानी चिकित्साः कोविड–19 के समय में अवसर एवं चुनौतियां' पर पैनल चर्चा भी हुई।

## तकनीकी सत्र–I

तकनीकी सत्र–I के दौरान **डॉ. किम सुंगचोल,** क्षेत्रीय सलाहाकर, पारंपरिक चिकित्सा, विश्व स्वास्थ्य संगठन दक्षिण–पूर्व एशिया क्षेत्र, नई दिल्ली ने 'पारंपरिक चिकित्सा एवं कोविड–19 महामारी से निपटने में इसकी भूमिका' और **डॉ. जी.एन. क़ाज़ी,** मुख्य कार्यकारी अधिकारी, हमदर्द आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने 'पारंपरिक एवं आधुनिक स्वास्थ्य प्रणालियों का एकीकरण' पर मुख्य भाषण दिए।

सत्र की अध्यक्षता प्रो. अब्दुल वदूद, निदेशक, राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, बैंगलोर और प्रो. एस. शाकिर जमील, पूर्व महानिदेशक, के.यू.चि. अ.प. ने की। डॉ. शेख़ जुबैर, पूर्व उपाध्यक्ष (यूनानी), भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद्, नई दिल्ली ने सत्र की सह–अध्यक्षता की।

अपने आभासी सम्बोधन में **डॉ. किम सुंगचोल** ने कोविड–19 के विरुद्ध लड़ाई में पारंपरिक चिकित्सा के हस्तक्षेप पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस तथ्य पर ज़ोर दिया कि इसके समग्र दृष्टिकोण

*डॉ. किम सुंगचोल*

*श्री प्रमोद कुमार पाठक*

के कारण पारंपरिक चिकित्सा में स्वास्थ्य संवर्धन और रोग की रोकथाम और उपचार के लिए बहुत कुछ है और यह बहुत से लोगों के लिए विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल का मुख्य या एकमात्र स्रोत है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के कई सदस्य देशों ने कोविड–19 के विरुद्ध लड़ाई में आधुनिक चिकित्सा के साथ–साथ पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग किया जिससे रोगियों की स्थिति और लक्षणों में सुधार हुआ, हल्के लक्षण वाले रोगियों में गंभीर स्थिति पैदा नहीं हुई, उपचार की दर में वृद्धि हुई, मृत्यु दर में कमी आई और सुधार प्रक्रिया में तेज़ी आई।

**डॉ. जी.एन. क़ाज़ी** ने मानव कल्याण के लिए पारंपरिक एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के एकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यूनानी चिकित्सा के एकीकृत दृष्टिकोण और वैज्ञानिक परिवर्तन के लिए हकीम अजमल ख़ान की प्रशंसा की। उन्होंने हकीम अब्दुल हमीद की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जिन्होंने एक विश्वविद्यालय की स्थापना करके पारंपरिक और आधुनिक स्वास्थ्य पद्धतियों के वास्तविक एकीकरण को कार्यान्वित किया जहां एक ही छत के नीचे यूनानी चिकित्सा के साथ–साथ आधुनिक चिकित्सा का भी अभ्यास किया जा रहा है।

*तकनीकी सत्र–I के विशिष्ट वक्ता, अध्यक्ष और महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. एक समूह चित्र में।*

## तकनीकी सत्र–II

तकनीकी सत्र–II के दौरान **डॉ. एम. ए. वहीद,** सदस्य, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, के.यू.चि.अ.प. और **प्रो. एम.ए. जाफ़री,** कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने क्रमशः 'कोविड–19 महामारी के दौरान यूनानी चिकित्सा की रोगप्रतिरोधक बढ़ाने की क्षमता' और 'कोविड–19 के कारण अकादमिक समुदाय में तनाव की समस्याः तिब्ब–ए–यूनानी में संभावित समाधान' पर मुख्य भाषण दिए।

प्रो. सऊद अली ख़ान, प्रधानाचार्य, अजमल ख़ान तिब्बिया कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ ने सत्र की अध्यक्षता की जबकि प्रो. मुश्ताक़ अहमद, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद और डॉ. मो. अकरम, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्कूल, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने सत्र की सह–अध्यक्षता की।

**प्रो. एम.ए. जाफ़री** ने कोविड–19 के कारण अकादमिक समुदाय में तनाव और चिंता के कारणों पर चर्चा की तथा तनाव और चिंता की समस्याओं को रोकने और उनके उपचार में *अस्बाब सित्ता ज़रूरीया* (छः आवश्यक कारक) के सिद्धांत, *इलाज–बिल–तदबीर* के

*प्रो. एम. ए. जाफ़री*

*डॉ. एम. ए. वहीद*

*प्रो. ए. वेंकट रमन*

कुछ रूपों और तनावरोधी गतिविधि वाली औषधियों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने ऐसे उपचारों और औषधियों की प्रभावकारिता पर व्यापक शोध करने पर ज़ोर दिया।

**डॉ. एम.ए. वहीद** ने रोग प्रतिरोधक प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए पौधों के औषधीय उपयोगों के बारे में बताया। उन्होंने कई औषधीय पौधों जैसे *एलियम सैटिवम, मोरस अल्बा, अकेसिया कटेचु, टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया* और *मैंगिफेरा इंडिका* पर प्रकाश डाला जिनके बारे में इम्युनो–मॉड्यूलेटरी गतिविधि होने का दावा किया जाता है। उन्होंने कहा कि एंटी–इंफ्लामेटरी, एंटीऑक्सिडेंट और एंटीवायरल गुण रखने की क्षमता के कारण कोविड–19 के रोगियों के उपचार में इनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न औषधीय पौधों पर शोध किया जा रहा है।

## तकनीकी सत्र–III

तकनीकी सत्र–III में **प्रो. ए. वेंकट रमन,** प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने 'कोविड–19 महामारी से मुक़ाबला करने में हितधारकों को शामिल करना', जबकि **डॉ. राज के. मनचंदा,** निदेशक, आयुष निदेशालय, दिल्ली सरकार ने 'कोविड–19 के विरूद्ध लड़ाई में आयुष का एकीकरणः दिल्ली के अनुभव' पर मुख्य भाषण दिये।

सत्र की अध्यक्षता डॉ. मो. ख़ालिद, सहायक औषधि नियंत्रक, आयुष निदेशालय, दिल्ली सरकार ने की। डॉ. गुलाम नासिर, राज्य आयुष समन्वयक, हरियाणा सरकार और डॉ. खुर्शीद अहमद अन्सारी, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्कूल, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने सह–अध्यक्षता की।

अपने सम्बोधन में प्रो. ए. वेंकट रमन ने कहा कि हम में से प्रत्येक महामारी के दौरान एक हितधारक है और भारत सरकार ने कोविड संकट से निपटने में उल्लेखनीय रूप से अच्छा काम किया है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी से हमें महत्वपूर्ण सीख मिली है कि स्वास्थ्य क्षेत्र की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए

*तकनीकी सत्र–II के विशिष्ट वक्ता, अध्यक्ष तथा महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. का एक समूह चित्र।*

*डॉ. राज के. मनचंदा*

– निवारक एवं रोगनिरोधी दृष्टिकोण, कोविड–19 जैसे रोगों का लक्षणात्मक उपचार और संस्थागत देखभाल के अतिरिक्त हस्तक्षेप के माध्यम से कोविड–19 के प्रकोप का समाधान करने के लिए आयुष पद्धतियों का समाकलन, आयुष जनशक्ति का प्रशिक्षण, एक अंतःविषय आयुष अनुसंधान एवं विकास कार्य बल का गठन और आयुष पद्धतियों के माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और रोग निवारण उपाय शामिल थे।

*डॉ. जे.एल.एन. शास्त्री*

और यह कि न केवल अल्पावधि में एक महामारी से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए बल्कि लम्बे समय में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार करने के लिए सरकार, निजी क्षेत्र, गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज के प्रयासों को संरेखित करना महत्वपूर्ण है।

डॉ. राज के. मनचंदा ने कोविड–19 के उपचार के लिए दिल्ली सरकार द्वारा की गई पहलों के बारे में विस्तार से बताया जिसमें त्रि–स्तरीय दृष्टिकोण

## तकनीकी सत्र–IV

तकनीकी सत्र–IV में डॉ. जे.एल. एन. शास्त्री, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (रा.औ.पा.बो.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और डॉ. राम विश्वकर्मा, अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, के.यू.चि.अ.प., नई दिल्ली ने दो मुख्य भाषण दिए।

सत्र की अध्यक्षता डॉ. अब्दुल कबीर डार, महानिदेशक, कार्यालय आपूर्ति एवं स्टेशनरी और पूर्व निदेशक, भारतीय चिकित्सा पद्धति, जम्मू और कश्मीर और प्रो. आरिफ़ ज़ैदी, यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्कूल, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने की। डॉ. अनवर सईद, सचिव, जामिया तिब्बिया देवबन्द और डॉ. अज़हर जबीन, यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्कूल, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने सत्र की सह–अध्यक्षता की।

*तकनीकी सत्र–III के विशिष्ट वक्ता, अध्यक्ष तथा प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू. चि.अ.प.।*

'औषधीय पौधे – आयुष क्षेत्र में वर्तमान परिदृश्य' पर अपनी प्रस्तुति में डॉ. जे.एल.एन. शास्त्री ने विशेषकर आयुष क्षेत्र में औषधीय पौधों के लिए गुणवत्ता मानकों के विकास, पालन और प्रचार–प्रसार में राष्ट्रीय स्तर पर रा.औ.पा.बो. द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि रा.औ.पा.बो. का एक वर्तमान लक्ष्य गिलो जैसे औषधीय पौधों पर काम करना है जो कोविड–19 महामारी में उपयोग किए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि रा.औ.पा.बो. आयुष क्षेत्र के साथ मिलकर ऐसे पौधों की विभिन्न

*डॉ. राम विश्वकर्मा*

प्रजातियों पर शोध करने को तैयार है जिन से स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता में सुधार आ सके।

'कोविड–19 महामारी के समय में नई औषधि के विकास की योजना' विषय पर अपना मुख्य भाषण देते हुए डॉ. राम विश्वकर्मा ने मुख्य चिकित्सीय लक्ष्यों और औषधियों का उल्लेख किया जिनका उपयोग एसएआरस सीओवी2 के उपचार में किया जाता है। उन्होंने कोविड–19 मामलों के उपचार में रेमडिसिविर की भूमिका और औषधि के लागत प्रभावी संश्लेषण के बारे में बताया। उन्होंने कोविड–19 के उपचार के लिए आगामी औषधियों और इस रोग पर चल रहे मुख्य अध्ययनों पर प्रकाश डाला।

## पैनल चर्चा

पैनल चर्चा सत्र 'यूनानी चिकित्साः कोविड–19 के समय में अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर आधारित था। प्रो. राम विश्वकर्मा, अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समिति, के.यू.चि.अ.प., नई दिल्ली और प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. सत्र के अध्यक्ष थे जबकि डॉ. डब्ल्यू सेल्वामूर्ति, अध्यक्ष, एमिटी सांइस, टेक्नोलॉजी एण्ड इनोवेशन फाउंडेशन और महानिदेशक, एमिटी सांइस एण्ड इनोवेशन, नोएडा, प्रो. कुंवर मोहम्मद यूसुफ़ अमीन, इल्मुल अदविया विभाग, अजमल ख़ान तिब्बिया कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, डॉ. विश्वजननी जे. सत्तीगेरी, प्रमुख, पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी यूनिट, सीएसआईआर, नई दिल्ली, डॉ. अतुल मोहन कोचर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनएबीएच, नई दिल्ली, प्रो. रितु प्रिया, सामाजिक चिकित्सा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ. गीता कृष्णन, पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा इकाई, विश्व स्वास्थ्य संगठन, प्रो. मोहम्मद इदरीस, विभागाध्यक्ष, इल्मुल सैदला, आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, नई दिल्ली, वैद्य देविंद्र त्रिगुणा, अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन, नई दिल्ली, श्री प्रदीप मुल्तानी, उपाध्यक्ष, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री, नई दिल्ली, डॉ. एस. फ़ारूक़, अध्यक्ष हिमालय ड्रग कंपनी, नई दिल्ली, हकीम मोहसिन देहलवी, महासचिव, यूनानी ड्रग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, नई दिल्ली, श्री अरविंद वर्चस्वी, प्रबंध निदेशक, श्री श्री तत्व, बेंगलुरू और डॉ. संतोष कुमार जोशी, सदस्य, एसोसिएशन ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन, नई दिल्ली ने पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

सत्र की शुरुआत सत्र के अध्यक्षों और पैनलिस्टों के स्वागत के साथ हुई। प्रो. आसिम अली ख़ान ने अपने प्रारंभिक भाषण में कहा कि कोरोना वायरस जैसी नई स्वास्थ्य चुनौतियों के मद्देनज़र यह पता लगाने की आवश्यकता है कि यूनानी चिकित्सा एवं अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां इनसे निपटने के लिए कैसे प्रासंगिक हो सकती हैं। चर्चा की अध्यक्षता करते हुए प्रो. विश्वकर्मा ने इस बात को उजागर किया कि आधुनिक चिकित्सा ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति से अत्यधिक लाभ उठाया है। उन्होंने

*तकनीकी सत्र–IV के विशिष्ट वक्ता, अध्यक्ष और महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. का एक समूह चित्र।*

आगे कहा कि अधिकांश आधुनिक औषधियां पारंपरिक चिकित्सा से व्युत्पद होती हैं इसलिए आधुनिक चिकित्सा के साथ पारंपरिक चिकित्सा का एकीकरण कोई नई घटना नहीं है।

डॉ. डब्ल्यू सेल्वामूर्ति ने कहा कि यूनानी चिकित्सा मनुष्य को समग्र रूप से देखती है; यह मनुष्य की शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्थिति को ध्यान में रखती है। उन्होंने आगे कहा कि यूनानी पॉलीहर्बल मिश्रणों का आणविक स्तर पर अध्ययन समय की परम आवश्यकता है।

डॉ. विश्वजननी सत्तीगेरी ने कहा कि यूनानी चिकित्सा में जबरदस्त क्षमता है क्योंकि इसमें पॉलीहर्बल मिश्रण के रूप में समृद्ध प्राकृतिक संसाधन हैं। उन्होंने यूनानी चिकित्सा के चिकित्सकों और उनके रोगियों में विश्वास स्थापित करने के लिए साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से डाटा तैयार करने पर ज़ोर दिया।

डॉ. अतुल मोहन कोचर ने यूनानी चिकित्सा के अनुसंधान एवं विकास में के.यू.चि.अ.प. के प्रयासों की सराहना की और एनएबीएच तथा जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कराने में इसकी भूमिका के बारे में बात की।

प्रो. रितु प्रिया ने एक स्थायी स्वास्थ्य प्रणाली और पर्यावरण अखंडता पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे चिकित्सा का प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली में नवीनता ला सकता है। उन्होंने इस बात पर भी चर्चा की कि प्राचीन यूनानी चिकित्सा के सिद्धांतों और वर्तमान समय में इन्हें अपनाने पर शोध के साथ–साथ अंतःविषय शोध किए जाने चाहिए।

डॉ. गीता कृष्णन ने यूनानी चिकित्सा सहित पारंपरिक चिकित्सा पद्धति के संबंध में विश्व स्वास्थ्य संगठन में चल रही विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यूनानी चिकित्सा के अभ्यास और चिकित्सकों के प्रशिक्षण के लिए बेंचमार्क दस्तावेज़ के साथ–साथ यूनानी चिकित्सा के सार्वभौमिक स्वीकृति के लिए आईसीडी कोड विकास के अधीन हैं।

प्रो. मोहम्मद इदरीस ने यूनानी चिकित्सा के इतिहास में आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कोविड–19 महामारी के विरुद्ध लड़ाई में यूनानी चिकित्सा की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

प्रो. यूसुफ़ अमीन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यूनानी चिकित्सा और अन्य पारंपरिक चिकित्साओं से समकालीन स्वास्थ्य देखभाल संबंधी समस्याओं के समाधान खोजने के लिए उन्हें उनके आणविक समकक्ष में परिवर्तित करने के बजाय उनकी अपनी रोग और औषधीय योजनाओं के अनुसार देखना और उनका उपयोग करना होगा।

वैद्य देविन्द्र त्रिगुणा ने स्वास्थ्य देखभाल वितरण में यूनानी चिकित्सा की भूमिका की सराहना की और देश में यूनानी चिकित्सा के प्रचार–प्रसार में स्वर्गीय हकीम अजमल ख़ान के ऐतिहासिक संघर्ष का विशेष उल्लेख किया।

श्री प्रदीप मुल्तानी ने यूनानी चिकित्सा में और अधिक नैदानिक परीक्षण करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाया जाना चाहिए और यूनानी चिकित्सा के प्रत्येक विनिर्माण संयत्र में सरकार द्वारा अनुमोदित प्रयोगशालाएं होनी चाहिए। उन्होंने बेहतर गुणवत्ता नियंत्रण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और जीएमपी प्रमाणित विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की आवश्यकता पर

*''यूनानी चिकित्साः कोविड–19 के समय में अवसर एवं चुनौतियां' पर पैनल चर्चा सत्र के विशिष्ट अध्यक्ष और पैनलिस्ट।*

ज़ोर दिया।

डॉ. एस. फ़ारूक़ ने आयुष चिकित्सा पद्धतियों को मानव के लिए एक वरदान बताया और यूनानी चिकित्सा तथा हर्बल न्यूट्रास्यूटिकल्स में और अधिक शोध करने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके अलावा उन्होंने विनिर्माण संयंत्रों के प्रमाणीकरण की आवश्यकता की वकालत की ताकि एएसयू औषधि के वैश्विक निर्यात को बढ़ाया जा सके।

हकीम मोहसिन देहलवी ने रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और कोविड–19 के कारण अवसाद को दूर करने में एएसयू औषधियों की भूमिका के बारे में चर्चा की।

श्री अरविन्द वर्चस्वी ने आयुष चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक पद्धति के साथ जोड़ने पर ज़ोर दिया। उन्होंने इन पद्धतियों के प्राचीन सिद्धांतों जैसे नब्ज़ (नाड़ी) को बेहतर तौर पर समझने के लिए उन पर शोध करने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. संतोष कुमार जोशी ने यूनानी चिकित्सा के अनुसंधान एवं विकास में के.यू.चि.अ.प. के प्रयासों की सराहना की।

## समापन सत्र

समापन सत्र में **श्री प्रमोद कुमार पाठक,** अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय ने के.यू.चि.अ.प. के अनुसंधान कार्यों विशेषकर कोविड–19 के दौरान अनुसंधान कार्यों की सराहना की। उन्होंने सम्मेलन में हुए विचार–विमर्श की सराहना की और उन्हें आगे ले जाने का आग्रह किया।

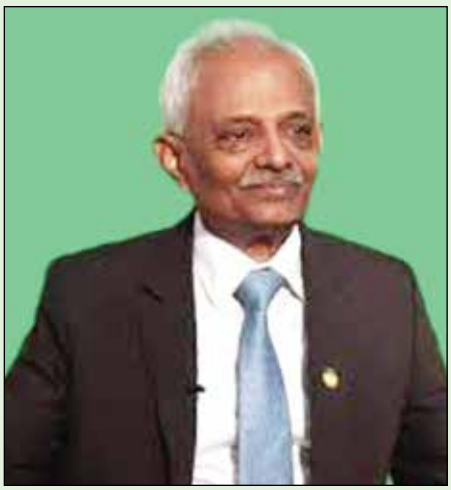

*डॉ. डब्ल्यू सेल्वामूर्ति*

*प्रो. एम. जगदीश कुमार*

*प्रो. अख़्तरुल वासे*

*प्रो. आसिम अली ख़ान*

**प्रो. एम. जगदीश कुमार,** कुलपति, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने आयुष चिकित्सा पद्धति के विकास के लिए अंतःविषय अनुसंधान एवं सहयोग और रचनात्मकता लाने की आवश्यकता पर बल दिया।

**प्रो. अख़्तरुल वासे,** अध्यक्ष, मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर ने कोविड–19 के विरुद्ध लड़ाई में आयुष की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि महामारी से लोगों के बीच आयुष पद्धतियों की स्वीकार्यता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

**प्रो. एम.ए. जाफ़री,** कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली ने यूनानी वैज्ञानिकों से कोविड–19 जैसी स्वास्थ्य स्थितियों से निपटने के लिए और अधिक शोध करने का आग्रह किया।

अपनी समापन टिप्पणी में प्रो. आसिम अली ख़ान ने सम्मेलन के वैज्ञानिक विचार–विमर्श का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गणमान्यों, प्रतिभागियों और के.यू.चि.अ.प. के अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

# पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और पेटेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (रा.औ.पा.बो.), आयुष मंत्रालय के सहयोग से 26 मार्च 2021 को इंडिया हेबिटेट सेंटर में पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और पेटेंट पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में वैज्ञानिक संगठन के लिए संपदा अधिकारों और पेटेंट के महत्व तथा बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन और व्यावसायीकरण से संबंधित विषयों पर प्रकाश डाला गया।**

*प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प., गणमान्य व्यक्तियों – डॉ. बलविंदर शुक्ला, डॉ. मुख्तार कासमी और डॉ. आर. मुरुगेश्वरन – की उपस्थिति में 26 मार्च 2021 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण और पेटेंट पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए।*

संगोष्ठी का उद्घाटन डॉ. बलविंदर शुक्ला, कुलपति, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश ने प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प., डॉ. मुख़्तार क़ासमी, संयुक्त सलाहकार (यूनानी), आयुष मंत्रालय और डॉ. आर. मुरुगेश्वरन, उप निदेशक, रा.औ.पा.बो. की भव्य उपस्थिति में किया।

अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. बलविंदर शुक्ला ने विदेशी एजेंसियों द्वारा भारतीय उत्पादों के पेटेंट के वर्तमान परिदृश्य के कारण भारतीय मूल के उत्पादों के पेटेंट के महत्व पर प्रकाश डाला और के.यू.चि.अ.प. को प्रदान किए गए पेटेंट के लिए इसकी सराहना की।

अपने स्वागत सम्बोधन में प्रो. आसिम अली ख़ान ने के.यू.चि.अ.प. के समग्र कामकाज, इसके अंतर्गत अस्पतालों और अनुसंधान संस्थानों के नेटवर्क और गत् वर्षों में हस्ताक्षरित विभिन्न शैक्षणिक सहयोग एवं समझौता ज्ञापनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि के.यू.चि.अ.प. यूनानी चिकित्सा को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने और इसे आधुनिक एवं वैज्ञानिक दुनिया में स्वीकार्य बनाने के लिए सघन प्रयास कर रहा है। संगोष्ठी की पृष्ठभूमि के बारे में बात करते हुए उन्होनें कहा कि इसका उद्देश्य लोगों विशेषकर वैज्ञानिक समुदाय के बीच अधिक से अधिक पेटेंट प्राप्त करने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता पैदा करना है। उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. मुख़्तार क़ासमी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

संगोष्ठी में के.यू.चि.अ.प., रा.औ.पा.बो., एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कॉलेज, नई दिल्ली और यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान स्कूल, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और छात्रों ने भाग लिया। संगोष्ठी बौद्धिक संपदा अधिकार प्रबंधन, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और पेटेंट के व्यावसायीकरण के लिए प्रतिभागियों को संवेदनशील बनाने और प्रशिक्षण देने के अपने उद्देश्य में सफल रही।

# स्वास्थ्य प्रणाली को मज़बूत करने के लिए डाटा और इसके उपयोग पर वेबिनार

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) के सहयोग से 18 जनवरी 2021 को आयुष चिकित्सकों के लिए 'स्वास्थ्य प्रणाली को मज़बूत करने के लिए डाटा और इसका उपयोग' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।**

*पहली तस्वीर में प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ''स्वास्थ्य प्रणाली को मज़बूत करने के लिए डाटा और इसका उपयोग'' पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए जबकि दूसरी तस्वीर में संसाधन व्यक्तियों को देखा जा सकता है।*

यह वेबिनार के.यू.चि.अ.प. और पीएचएफआई के बीच हुए उस समझौते की अंतिम गतिविधि के रूप में आयोजित किया गया जो कोविड–19 से संबंधित जनसंख्या आधारित रोगनिरोधी अध्ययनों के कार्यान्वयन को सुविधाजनक बनाने और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए पारस्परिक रूप से सहमत ढांचे को निर्धारित करता है। छः महीने के सहयोग के दौरान आयुष अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों के लगभग 150 चिकित्सकों को जनसंख्या अध्ययन के विभिन्न पहलुओं के बारे में प्रशिक्षित किया गया। वेबिनार का उद्देश्य आयुष मंत्रालय के अधीनस्थ अनुसंधान परिषदों और राष्ट्रीय संस्थानों में कार्यरत पंजीकृत आयुष चिकित्सकों को संवेदनशील बनाना और प्रशिक्षित करना था।

प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने आयुष मंत्रालय के आदेशानुसार हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत के किए गए सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने पीएचएफआई की टीम और सभी प्रतिभागियों को सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान से संबंधित विभिन्न विषयों पर परस्पर विचार–विमर्श करने के लिए बधाई दी। उन्होंने आगे बताया कि इस सहयोग का उद्देश्य क्षमता निर्माण के माध्यम से आयुष की अनुसंधान क्षमता को मज़बूत करना और इसके परिणामों के विश्लेषण, व्याख्या, प्रारूपण और प्रस्तुतिकरण में अनुसंधानकर्ताओं की सहायता के माध्यम से निष्कर्षों के प्रसार में सहयोग करना था। प्रो. संजय जोडपे, उपाध्यक्ष, शैक्षणिक, पीएचएफआई ने उद्घाटन भाषण दिया और आयुष मंत्रालय तथा के.यू.चि.अ.प. की पहल और पीएचएफआई टीम की सराहना की। पीएचएफआई से डॉ. तनिका लिंगदोह और डॉ. प्रीति नेगांधी विशिष्ट वक्ता थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गज़ाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, के.यू.चि.अ.प. ने किया।

# के.यू.चि.अ.प. के 6 प्रकाशनों का विमोचन

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 11 फरवरी 2021 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में यूनानी दिवस के अवसर पर यूनानी चिकित्सा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में छः प्रकाशनों का विमोचन किया।**

*11 फरवरी 2021 को नई दिल्ली में यूनानी चिकित्सा पर राष्ट्रीय सम्मलेन के दौरान माननीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू और अन्य गणमान्य व्यक्ति के.यू.चि.अ.प. के एक प्रकाशन का विमोचन करते हुए।*

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में श्री किरेन रिजिजू, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और अतिरिक्त प्रभार, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने वैद्य राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. और डॉ. एम.ए. क़ासमी, संयुक्त सलाहाकर (यूनानी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के संग सम्मेलन स्मारिका, 'ए हैंडबुक ऑफ कॉमन रेमेडीज़ इन यूनानी मेडिसिन' और 'रिसर्च ऑन फंडामेन्टल्स ऑफ यूनानी मेडिसिन – ए समरी ऑफ स्ट्डीज़ कन्डक्टेड बाई सीसीआरयूएम' का विमोचन किया। समापन सत्र में श्री प्रमोद कुमार पाठक, अतिरिक्त सचिव, आयुष मंत्रालय, प्रो. एम. जगदीश कुमार, कुलपति, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रो. अख़्तरुल वासे, अध्यक्ष, मौलाना आज़ाद विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्रो. एम. ए. जाफ़री, कुलपति, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली और प्रो. आसिम अली ख़ान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. ने के.यू.चि.अ.प. द्वारा प्रकाशित 'क्लीनिकल स्ट्डी ऑफ ए यूनानी फॉर्मूलेशन – *माजून निस्यान* इन *निस्यान* (अम्नेसिया)', 'कम्पेन्डियम ऑन पेटेंट्स ग्रान्टेड टू सीसीआरयूम' और 'मेडिसिनल प्लान्ट्स फॉर लौंगेविटि' का विमोचन किया।

सम्मेलन समारिका में गणमान्यों के 35 संदेश और विशेषज्ञों के संक्षिप्त परिचय शामिल हैं।

'ए हैंडबुक ऑफ कॉमन रेमेडीज़ इन यूनानी मेडिसिन' में आसानी से उपलब्ध, लाभकारी और किफायती प्राकृतिक औषधियों पर आधारित यूनानी चिकित्सा के नुस्ख़े बताए गए हैं। उपचार और रोगों के प्रकारों में दिन–प्रतिदिन के रोगों की विस्तृत श्रृंखला समाविष्ट है। यह क्लासिकल ग्रंथों के नुस्ख़ों से समृद्ध है और प्रत्येक रोग स्थिति के लिए कई नुस्ख़े और मिश्रित औषधियों के साथ उनकी ख़ुराक का उल्लेख किया गया है।

'रिसर्च ऑन फंडामेन्टल्स ऑफ

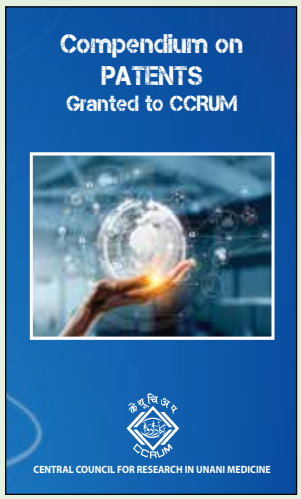

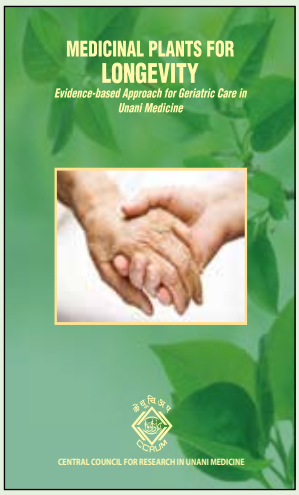

यूनानी मेडिसिन – ए समरी ऑफ स्ट्डीज़ कन्डक्टेड बाई सीसीआरयूएम' में राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में मूल सिद्धांत अनुसंधान कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए 20 अध्ययनों का सारांश शामिल है। यह आणविक जीव विज्ञान, शरीरक्रिया और शारीरिक रसायन विज्ञान में बहुरूपता और अभिव्यक्ति अध्ययन का सार प्रस्तुत करता है।

'क्लीनिकल स्ट्डी ऑफ ए यूनानी फॉर्मूलेशन – *माजून निस्यान* इन *निस्यान* (अम्नेसिया)' के.यू.चि.अ.प. के तीन संस्थानों में *निस्यान* (अम्नेसिया) के 235 रोगियों पर किए गए नैदानिक अध्ययन के परिणामों पर आधारित है। अध्ययन औषधि काफी प्रभावी पाई गई और अध्ययन के दौरान कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखा गया।

जैसा कि नाम से ही पता चलता है 'कम्पेन्डियम ऑन पेटेंट्स ग्रान्टेड टू सीसीआरयूम' उन आविष्कारों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है जिनके लिए के.यू.चि.अ.प. को 17 पेटेंट दिए गए हैं। प्रकाशन में संबंधित पेटेंट आवेदनों के साथ भारतीय पेटेंट कार्यालय को प्रस्तुत किया गया डाटा शामिल है जो ज्ञान के प्रसार और समाज को अवगत कराने के लिए प्रकाशित किया गया है।

'मेडिसिनल प्लान्ट्स फॉर लौंगेविटि – एविडेंस बेस्ड एपरोच फॉर जेरिएट्रिक केयर इन यूनानी मेडिसिन' में लंबे समय से यूनानी चिकित्सा में दीर्घायु एवं स्वस्थ प्रौढ़ावस्था के लिए उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों का विवरण है। विभिन्न आयु संबंधी स्थितियों में यूनानी एकल औषधियों के प्रभाव स्थापित करने के लिए किए गए वैज्ञानिक अध्ययनों के संदर्भ भी इस पुस्तक में शामिल हैं। ●●●

# नई मीडिया सामग्री विकास पर कार्यशाला में भागीदारी

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 19–20 मार्च 2021 के दौरान केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यो.प्रा.चि.अ.प.) द्वारा आयुष चिकित्सकों के लिए नई मीडिया सामग्री विकास पर आभासी रूप में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया।**

कार्यशाला में डॉ. फ़रह अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय और डॉ. सैय्यदा हाजरा फ़ातिमा, अनुसंधान अधिकारी (पैथोलॉजी), राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने भाग लिया। कार्यशाला विकिपीडिया के लिए सामग्री विकास पर केंद्रित थी। इसे विकिपीडिया की प्रमुख अवधारणाओं में अंतदृष्टि प्रदान करने और आयुष से संबंधित वैज्ञानिक लेख प्रकाशित करने के महत्व को उजागर करने और नए विकिपीडिया लेखों की योजना बनाने तथा आयुष से संबंधित मौजूदा लेखों का खंडन करने के लिए व्यावहारिक क़दमों पर चर्चा करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

कार्यशाला के संसाधन व्यक्ति श्री साकेत कुमार सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सिक्सपीएल (एक डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी) ने आयुष पद्धतियों के बारे में ज्ञान के प्रचार–प्रसार के लिए विकिपीडिया मंच का उपयोग करने के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में सैद्धांतिक समझ और गहन प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यशाला डॉ. बी. वेंकटेश्वर राव, अनुसंधान अधिकारी (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा), के.यो.प्रा.चि.अ.प. के समापन संबोधन के साथ समाप्त हुई। ●●●

# यूनानी दिवस 2021 का 20 दिवसीय काउन्टडाउन

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) और देश भर में स्थित इसके अधीनस्थ अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों ने यूनानी दिवस 2021 के 20–दिवसीय काउन्टडाउन के भाग के रूप में विभिन्न पूर्व–गतिविधियों का आयोजन किया। काउन्टडाउन की शुरुआत 22 जनवरी 2021 को यूनानी दिवस मनाने की पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डालने और हकीम अजमल ख़ान जिन्होंने देश में यूनानी चिकित्सा में वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाई तथा कठिन समय में पद्धति के प्रोत्साहन में महत्वपूर्ण योगदान दिया को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई।**

*के.यू.चि.अ.प. के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में शुरू की गई ग्रीन ड्राइव पहल का एक दृश्य।*

20–दिवसीय काउन्टडाउन शुरू होने के बाद से विभिन्न स्थानों पर विभिन्न गतिविधियों का अयोजन किया गया। संस्थानों ने स्वास्थ्य जागरूकता व्याख्यान, स्वास्थ्य शिविर, वेबिनार, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं, निबंध लेखन और श्लोगन लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

चुंकि यूनानी दिवस 2021 'यूनानी चिकित्साः कोविड–19 के समय में अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर आधारित था इसलिए कोविड–19 की रोकथाम एवं उपचार से संबंधित पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा वेबिनार और सार्वजनिक व्याख्यानों के लिए 'रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए दैनिक जीवन में शामिल किए जाने वाले महत्वपूर्ण आहार उपाय', 'कोविड–19 महामारी और रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में यूनानी चिकित्सा की भूमिका', 'कोविड–19 के बाद पुनर्सुधार में यूनानी चिकित्सा की भूमिका', 'यूनानी चिकित्सा के माध्यम से कोविड–19 महामारी में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता' और 'यूनानी चिकित्सा के माध्यम से कोविड–19 जैसी महामारी के दौरान किए जाने वाले स्वास्थ्य संवर्धन और निवारक उपाय' जैसे विषयों का चयन किया गया।

वेबिनार और व्याख्यान के अन्य विषयों में 'स्वास्थ्य बनाए रखने में *अस्बाब सित्ता ज़रूरीया* की भूमिका', 'स्वास्थ्य बनाए रखने में यूनानी चिकित्सा की भूमिका', 'स्वास्थ्य बनाए रखने में व्यक्तिगत स्वच्छता का महत्व', 'यूनानी चिकित्सा के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन और रोग की रोकथाम', 'स्वास्थ्य की सुरक्षा एवं संवर्धन में इलाज बिल–ग़िज़ा (आहार चिकित्सा) की भूमिका', 'मानव स्वास्थ्य में खनिजों का महत्व एवं इसके संभावित यूनानी संसाधन', 'यूनानी चिकित्सा के माध्यम से उच्च रक्तचाप की रोकथाम एवं उपचार', 'सामान्य स्त्रीरोग संबंधी विकार और यूनानी चिकित्सा के माध्यम से इनका उपचार', 'दीर्घकालिक वृक्क रोग में यूनानी चिकित्सा का प्रभाव', 'यूनानी चिकित्सा के माध्यम से ल्यूकोरिया का उपचार', 'यूनानी चिकित्सा के माध्यम से गठिया (वजा अल–मफ़ासिल) का उपचार' और 'मधुमेह और यूनानी चिकित्सा के माध्यम से इसका उपचार' विषय शामिल थे।

काउन्टडाउन अवधि के दौरान स्वास्थ्य साहित्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले जोशांदा एवं अन्य औषधियों और के.यू.चि.अ.प. की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर आधारित प्रचार–प्रसार सामग्री का वितरण भी किया गया। संस्थानों ने हरित अभियान भी चलाया और आम जनता में पौधे बांटे।

आयोजन को सफल बनाने में संस्थानों/केंद्रों के उप–निदेशकों, प्रभारियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ●●●

# के.यू.चि.अ.प. में पोषण पखवाड़ा का आयोजन

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 16–31 मार्च 2021 के दौरान अपने सभी संस्थानों में पोषण अभियान या राष्ट्रीय पोषण मिशन के तहत बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबधी परिणामों में सुधार करने हेतु पोषण पखवाड़ा मनाया।**

के.यू.चि.अ.प. के संस्थानों ने पोषण से संबंधित विषयों पर आम जनता को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया। इन गतिविधियों में स्वास्थ्य शिविरों, योग सत्रों और कुपोषण संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं और विभिन्न दोषपूर्ण विकारों के उपचार, विभिन्न आयु समूहों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व एवं घटक, स्वस्थ जीवन शैली, जीवन शैली में उचित सुधार, बच्चों की देखभाल, स्तनपान इत्यादि पर सार्वजनिक व्याख्यानों एवं चर्चाओं का आयोजन शामिल था।

डॉ. एन. ज़हीर अहमद, उप–निदेशक, क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई ने 'माई किचन–माई डिस्पेंसरी' के नाम से अग्नि रहित खाना पकाने की प्रतियोगिता, महिलाओं की सामूहिक बैठक और महिलाओं के लिए मजेदार खेलों जैसी अनूठी गतिविधियों का आयोजन किया।

डॉ. मो. तारिक़ ख़ान, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक– IV और प्रभारी, नैदानिक अनुसंधान एकक, मेरठ ने भी कई गतिविधियों का आयोजन किया और खाद्य सुरक्षा एवं पोषण के लिए सतत वानिकी और गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और विभिन्न समूहों में पोषण संबंधी चुनौतियों के समाधान पर व्याख्यान दिए।

●●●

# के.यू.चि.अ.प. के संस्थानों पर हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के अंतर्गत कार्यरत अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों ने अपने–अपने परिसरों में जनवरी–मार्च 2021 के दौरान हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया। कार्यशालाओं का उद्देश्य संस्थानों के कर्मचारियों के मध्य हिंदी भाषा कौशल विकसित करना और आधिकारिक एवं व्यक्तिगत कार्यों में हिंदी का उपयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देना था।**

कार्यशालाओं में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। कार्यशालाओं में वक्ताओं ने हिंदी भाषा के इतिहास पर प्रकाश डाला और वर्तमान समय में इसके महत्व को उजागर किया। उन्होंने हिंदी भाषा के प्रोत्साहन के बारे में विचार साझा किए और दैनिक जीवन में इसके उपयोग में महारत हासिल करने के तरीके सुझाए। उन्होंने आधिकारिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग के विभिन्न व्यावहारिक पहलुओं के संबंध में प्रतिभागियों के विभिन्न प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), चेन्नई द्वारा 11 मार्च 2021 को आयोजित कार्यशाला में डॉ. शेख़ अनवर बाबू, हिन्दी अनुवादक, केन्द्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद् मुख्य वक्ता थे जबकि क्षे.यू.चि. अ.सं., मुम्बई द्वारा 17 मार्च 2021 को आयोजित कार्यशाला में श्री वी.एन. झा, उप–निदेशक (पश्चिम), हिंदी शिक्षण योजना मुख्य अतिथि थे। श्री प्रियांकर पालीवाल, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केंद्रीय कार्यालय–2) क्षे.यू.चि.अ.सं., कोलकाता द्वारा 18 मार्च 2021 को आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि थे। कोविड–19 के निर्देशों का पालन करते हुए संबंधित संस्थानों/केंद्रों के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक कार्यशालाओं में भाग लिया और व्याख्यानों से लाभान्वित हुए। यह कार्यशालाएं उनमें हिन्दी भाषा में काम करने के लिए प्रेरित करने में सफल रहीं।

●●●

# पीएफएमएस मोड्यूल्स पर कार्यशाला

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 15–16 मार्च 2021 के दौरान आयुष सभागार, जनकपुरी, नई दिल्ली में पीएफएमएस के व्यय, अग्रिम और हस्तांतरण (ईएटी) मोड्यूल के कार्यान्वयन हेतु ईएमआर योजना के अंतर्गत एजेंसियों के लिए दो–दिवसीय प्रशिक्षण–सह–हैंडहोल्डिंग कार्यशाला का आयोजन किया।**

*नई दिल्ली में 15–16 मार्च 2021 के दौरान के.यू.चि.अ.प. द्वारा आयोजित पीएफएमएस मॉडयूल्स पर दो–दिवसीय प्रशिक्षण–सह–हैंडहोल्डिंग कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का एक दृश्य।*

कार्यशाला का उद्घाटन श्री के. के. सपरा, सहायक निदेशक (प्रशासन), के.यू.चि.अ.प. ने किया। श्री अजय कुमार, पीएफएमएस कक्ष, लेखा महानियंत्रक, वित्त मंत्रालय कार्यशाला के विशेषज्ञ थे। दो–दिवसीय कार्यशाला के दौरान उन्होंने भाग लेने वाली एजेंसियों के प्रतिनिधियों को पीएफएमएस (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली) के अवलोकन और संचालन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। पीएफएमएस एक वेब–आधारित ऑनलाइन सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन है जिसे लेखा महानियंत्रक (सीजीए), व्यय विभाग, वित मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित एवं कार्यान्वित किया गया है। प्रशिक्षण में उपभोक्ता खाता और प्रारंभिक जमा, वेंडर्स का संकलन एवं प्रतिचित्रण, लेखाओं की प्रविष्टि तथा ईएटी मॉड्यूल के उपयोग से संबंधित अन्य पहलुओं को शामिल किया गया।

कार्यशाला में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, आईसीएमआर–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, नोएडा, वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली, आईसीएमआर–राष्ट्रीय विकृतिविज्ञान संस्थान, नई दिल्ली और चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, नई दिल्ली के साथ–साथ के.यू.चि.अ.प. के लगभग 30 प्रतिनिधियों ने भाग लिया और लाभावित्त हुए।

कार्यशाला का समन्वय डॉ. प्रदीप कुमार, अनुसंधान अधिकारी (पैथॉलोजी) वैज्ञानिक–IV तथा संचालन श्री मोहम्मद नियाज़ अहमद, अनुसंधान अधिकारी (प्रकाशन), के.यू.चि.अ.प. ने किया।

●●●

# सिनैप्स 2021 में भागीदारी

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) के अधीन क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई के तीन अधिकारियों ने 27–28 मार्च 2021 के दौरान 'सिनैप्स 2021: माइंड बॉडी मेडिसिन इन एंडोक्रेनोलॉजी एण्ड डायबिटीज़' पर आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में भाग लिया।**

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई से डॉ. के. कबीरुद्दीन अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV, डॉ. टी. शाहिदा बेगम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV और डॉ. नोमान अनवर, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) ने एंडोक्रिनोलॉजी और मधुमेह पर केंद्रित सम्मेलन में उत्साहपूर्वक भाग लिया और लाभान्वित हुए।

●●●

# दक्षिण एशिया यात्रा एवं पर्यटन विनिमय-2021 में भागीदारी

**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (के.यू.चि.अ.प.) ने 24–26 मार्च 2021 के दौरान इंडिया एक्सपो सेंटर एण्ड मार्ट, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में इन्फोर्मा मार्केट्स द्वारा आयोजित एक विशाल प्रदर्शनी 'दक्षिण एशिया यात्रा एवं पर्यटन विनिमय–2021' के 28वें संस्करण में भाग लिया।**

*24–26 मार्च 2021 के दौरान ग्रेटर नोएडा में दक्षिण एशिया यात्रा एवं पर्यटन विनिमय–2021 में के.यू.चि.अ.प. के स्टॉल पर स्वास्थ्य साहित्य देखते हुए आगंतुक।*

तीन–दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अरविंद सिंह, सचिव–पर्यटन, भारत सरकार ने डॉ. अब्दुल्लाह मौसूम, पर्यटन मंत्री, मालदीव और श्री एम.पी. बेज़बरुआ, पूर्व सचिव–पर्यटन, भारत सरकार और महासचिव, होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया सहित अन्य गणमान्यों की उपस्थिति में किया।

प्रदर्शनी सर्वोत्तम प्रथाओं और सुरक्षा आदेशों के साथ आयोजित की गई। इसमें सरकारी विभागों के साथ–साथ भारत और विदेशों के निजी साझीदारों की भागीदारी रही।

डॉ. सलीम सिद्दीक़ी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक–IV, क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली और डॉ. मो. वसीम अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), औषधि मानकीकरण अनुसंधान संस्थान, गाज़ियाबाद ने के.यू.चि.अ.प. का स्टॉल संभाला और आयुष मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। दोनों अधिकारियों ने सूचना, शिक्षा और संचार साहित्य के वितरण, सूचनात्मक सामग्री की प्रदर्शनी और आगंतुकों के साथ बातचीत के माध्यम से स्वास्थ्य प्रोत्साहन और रोग की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाई और के.यू.चि.अ.प. की गतिविधियों का प्रचार–प्रसार किया।


पंजीकरण सं. 34691/80

## सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ़्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं।* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *में प्रकाशित सामग्री को* सी.सी.आर.यू.एम. न्यूज़लेटर *के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।*

***मुख्य संपादक***
प्रो. आसिम अली ख़ान

***कार्यकारी संपादक***
मोहम्मद नियाज़ अहमद

***संपादकीय समिति***
नाहीद परवीन
गज़ाला जावेद
जमाल अख़्तर
शबनम सिद्दीक़ी

***संपादकीय कार्यालय***
**केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद**
61–65, इंस्टीटयूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली–110 058

दूरभाषः +91–11–28521981, 28525982
फैक्सः +91–11–28522965
ई–मेलः unanimedicine@gmail.com
rop.ccrum@gmail.com
वेबसाइटः https://ccrum.res.in

मुद्रणः रैक्मो प्रैस प्रा. लि.
सी–59, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1
नई दिल्ली–110020

ISSN 0974 1666

# CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 41 • Number 1 January–March 2021

# Unani Day 2021 and National Conference on Unani Medicine

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of AYUSH, Government of India organized a hybrid virtual National Conference on Unani Medicine to mark Unani Day on February 11, 2021 at Vigyan Bhawan, New Delhi. The conference themed on 'Unani Medicine: Opportunities and Challenges in times of COVID-19' made very important scientific deliberations on the topic.**

*Hon'ble Minister Shri Kiren Rijiju addressing the Inaugural Session of National Conference on Unani Medicine.*

## Inauguration

The conference was inaugurated by **Shri Kiren Rijiju**, Hon'ble Minister of State (IC), Youth Affairs & Sports, Minister of State, Ministry of Minority Affairs, and Additional Charge, Minister of State (IC), Ministry of AYUSH, Government of India in the august presence of **Vaidya Rajesh Kotecha**, Secretary, Ministry of AYUSH, **Shri Pramod Kumar Pathak**, Additional Secretary, Ministry of AYUSH, **Prof. Asim Ali Khan**, Director General, CCRUM and **Dr. M. A. Qasmi**, Joint Adviser (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India.

*Dignitaries on the dais singing National Anthem during the inaugural session of National Seminar on Unani Medicine organized by the CCRUM, Ministry of AYUSH to mark Unani Day on February 11, 2021 at Vigyan Bhawan, New Delhi.*

Inaugurating the conference, **Shri Kiren Rijiju** stated that Unani Medicine, enriched with the best of knowledge of various civilizations, is the most capable system to ensure the state of complete physical, mental and social well-being of people. He further stated that the Ministry of AYUSH created under the leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi Ji has done commendable work in medical research and healthcare delivery, especially its role during the COVID-19 pandemic has been exceptional.

**Hon'ble Minister Shri Shripad Yesso Naik** in his recorded video message applauded the contribution of AYUSH stakeholders in the fight against COVID-19. He thanked everyone for their prayers and support during his difficult times.

Addressing the conference, **Vaidya Rajesh Kotecha** said that Unani Medicine and CCRUM played an important role in the fight against COVID-19. He highlighted the MoU with the World Health Organization for the standardization of AYUSH terminologies for incorporation in ICD-11 and the initiatives undertaken by the Ministry of AYUSH for integration of IT into AYUSH healthcare delivery like NAMSTE Portal, A-HMIS, etc. and appreciated the contribution of CCRUM in these initiatives.

Earlier in his welcome address, **Prof. Asim Ali Khan** shed light on

*Vaidya Rajesh Kotecha*

the background of the conference theme and informed that the CCRUM played an active role in the fight against COVID-19 initiating four projects including two prophylaxis and two clinical studies at its different centres among several other measures. The inaugural session concluded with a vote of thanks proposed by **Dr. M. A. Qasmi**.

## Technical Sessions

During the technical sessions, keynote addresses were delivered by eminent medical scientists on 'Traditional medicine and its role in combating COVID-19 pandemic', 'Integration of traditional and modern health systems', 'Immune boosting potential of Unani Medicine during COVID-19 pandemic', 'Stress problems in academia due to COVID-19: Possible solutions in Tibb-e-Unani', 'Engaging the stakeholders in combating COVID-19 pandemic', 'Role of Unani & other AYUSH systems during COVID-19 pandemic', 'Medicinal plants - Current scenario in AYUSH sector' and 'Planning for new drug development in times of COVID-19 pandemic'. The conference also had panel discussion on 'Unani Medicine: Opportunities and challenges in times of COVID-19'. The conference highlighted the challenges and opportunities for Unani Medicine in times of COVID-19.

## Technical Session–I

During Technical Session–I, **Dr. Kim Sungchol**, Regional Advisor for Traditional Medicine, WHO South-East Asia Region, New Delhi delivered a keynote address on 'Traditional medicine and its role in combating COVID-19 pandemic' and **Dr. G. N. Qazi**, CEO, Hamdard Institute of Medical Sciences and Research (HIMSR), New Delhi on 'Integration of traditional and modern health systems'.

The session was moderated by Prof. Abdul Wadud, Director, National Institute of Unani Medicine, Bangalore and Prof. S. Shakir Jamil, former Director General, CCRUM. Dr. Sheikh Zubair, former Vice President (Unani), Central Council of Indian Medicine, New Delhi co-moderated the session.

In his virtual address, **Dr. Kim Sungchol** highlighted the interventions of traditional medicine

*Dr. Kim Sungchol*

*Shri Pramod Kumar Pathak*

in the fight against COVID-19. He stressed the fact that traditional medicine has much to offer for health promotion and disease prevention and management with its holistic approach and it is the main or only source of health care for many people, particularly in rural and remote areas. He informed that many of the WHO member countries employed traditional medicine along with modern medicine in the fight against COVID-19 thereby improving conditions and symptoms of the patients, preventing the deterioration of mild cases to severe cases, increasing cure rate, reducing mortality and accelerating the recovery process.

**Dr. G. N. Qazi** underscored the need for the integration of traditional and modern medical systems for the welfare of human beings. He praised Hakim Ajmal Khan for his integrative approach and scientific transformation of Unani Medicine. He also highlighted the role of Hakim Abdul Hamid who materialized the actual integration of traditional and modern health systems under one umbrella by setting up a university where Unani Medicine as well as modern medicine are being practised under one roof.

*A group photo of the distinguished speaker, moderators and Director General, CCRUM for Technical Session-I.*

## Technical Session–II

In Technical Session–II, **Dr. M.A. Waheed,** Member, Scientific Advisory Committee, CCRUM and **Prof. M. A. Jafri,** Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi delivered keynote addresses on 'Immune boosting potential of Unani Medicine during COVID-19 pandemic' and 'Stress problems in academia due to COVID-19: Possible solutions in Tibb-e-Unani' respectively.

Prof. Saud Ali Khan, Principal, Ajmal Khan Tibbiya College, Aligarh Muslim University, Aligarh was moderator of the session, while Prof. Mushtaq Ahmad, former Director, Central Research Institute of Unani Medicine, Hyderabad and Dr. Mohd. Akram, Associate Professor, School of Unani Medical Education and Research, Jamia Hamdard, New Delhi were the co-moderators.

**Prof. M. A. Jafri** discussed the factors causing stress and anxiety in academia due to COVID-19 and highlighted the potentialities of the principle of *Asbāb Sitta Ḍrūriyya*

*Prof. M. A. Jafri*

*Dr. M.A. Waheed*

*Prof. A. Venkat Raman*

(six essential factors), certain forms of *'Ilāj bi'l-Tadbīr* and drugs with anti-stress activity in preventing and managing the problems of stress and anxiety. He laid emphasis on conducting extensive research on the efficacy of such regimens and drugs.

**Dr. M.A. Waheed** elaborated pharmacological uses of plants to boost the immune system. He shed light on a number of medicinal plants which are claimed to possess immuno-modulatory activity, like *Allium sativum, Morus alba, Acacia catechu, Tinospora cordifolia* and *Mangifera indica*. He noted that research is being conducted on various medicinal plants possessing anti-inflammatory, antioxidant and antiviral properties to explore their usage in the treatment of COVID-19 patients.

## Technical Session–III

In Technical Session–III, **Prof. A. Venkat Raman**, Faculty of Management Studies, University of Delhi, New Delhi delivered his address on 'Engaging the stakeholders in combating COVID-19 pandemic' while **Dr. Raj K. Manchanda**, Director, Directorate of AYUSH, Govt. of Delhi delivered his address on 'Integration of AYUSH in COVID-19: Experiences from Delhi'.

The session was moderated by Dr. Mohd. Khalid, Assistant Drug Controller, Directorate of AYUSH, Delhi Government. Dr. Ghulam Nasir, State AYUSH Coordinator, Govt. of Haryana and Dr. Khursheed Ahmad Ansari, Associate Professor, School of Unani Medical Education & Research, Jamia Hamdard, New Delhi were the co-moderators.

In his address, Prof. A. Venkat Raman stated that each one of us is a stakeholder during the pandemic and that the Government of India had done remarkably well in handling the COVID crisis. He highlighted the key lesson learned from this pandemic that the health

*Distinguished speakers and moderators of Technical Session-II and Director General, CCRUM in a group photo.*

*Dr. Raj K. Manchanda*

sector should not be neglected and that it is critical to align the efforts of the government, private sector, NGOs and civil society not only in effectively tackling a pandemic in the short run, but to improve the health system in the long run.

Dr. Raj K. Manchanda elaborated the initiatives taken by the Govt. of Delhi for COVID-19 management, which involved immunity boosting and preventive measures through AYUSH systems, training of AYUSH manpower, constitution of an interdisciplinary AYUSH Research and Development Task Force and integration of AYUSH to manage COVID-19 outbreak through three-tier approach – preventive and prophylactic approach, symptomatic management of COVID-19 like illnesses, and add-on interventions to the institutional care.

## Technical Session–IV

In Technical Session–IV, two keynote addresses were delivered by **Dr. J.L.N. Sastry**, Chief Executive Officer, National Medicinal Plants Board (NMPB), Ministry of AYUSH, Government of India and **Dr. Ram Vishwakarma**, Chairman, Scientific Advisory Committee (SAC), CCRUM, New Delhi.

The session was moderated by Dr. Abdul Kabir Dar, Director General, Office Supplies & Stationery and former Director, ISM, Jammu & Kashmir and Prof. Arif Zaidi, School of Unani Medical Education & Research, Jamia Hamdard, New Delhi. Dr. Anwar Saeed, Secretary, Jamia Tibbiya Deoband, Deoband and Dr. Azhar Jabeen, School of Unani Medical Education & Research, Jamia Hamdard, New Delhi were co-moderatos of the session.

*Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM with distinguished speakers and moderators of Technical Session-III.*

*Dr. J.L.N. Sastry*

In his presentation on 'Medicinal plants - Current scenario in AYUSH sector', Dr. J.L.N. Sastry accentuated the pivotal role being played by the NMPB at the national level in propagation, adoption and adherence to developing quality standards for medicinal plants especially in AYUSH sector. He emphasized that currently one of the goals of the NMPB is to work on medicinal plants which are used in COVID-19 pandemic like *Gilo* (*Tinospora cordifolia*). He underscored that the NMPB can work with AYUSH sector to conduct research on various species of plants which can help in improving the

*Dr. Ram Vishwakarma*

healthcare quality.

Delivering his keynote address on 'Planning for new drug development in times of COVID-19 pandemic', Dr. Ram Vishwakarma mentioned key therapeutic targets and drugs which are used to treat SARS CoV2. He explained the role of Remdisivir in the treatment of COVID-19 cases and the cost-effective synthesis of the drug. He shed light on drugs that are in pipeline for COVID-19 and major ongoing trials on the disease.

## Panel Discussion

The panel discussion session was themed on 'Unani Medicine: Opportunities and challenges in times of COVID-19'. Prof. Ram Vishwakarma, Chairman, Scientific Advisory Committee, Central Council for Research in Unani Medicine, New Delhi and Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM were moderators of the session, whereas Dr. W. Selvamurthy, President, Amity Science, Technology and Innovation Foundation and Director General, Amity Directorate of Science and Innovation, Noida, Prof. Kunwar Mohammad Yusuf Amin, Department of Ilmul Advia, Ajmal Khan Tibbiya College, Aligarh Muslim University, Aligarh, Dr. Viswajanani J. Sattigeri, Head, Traditional Knowledge Digital Library Unit, CSIR, New Delhi, Dr. Atul Mohan Kochhar, Chief Executive Officer, NABH, New Delhi, Prof. Ritu Priya, Centre of Social Medicine and Community Health, Jawaharlal Nehru University, New Delhi, Dr. Geetha Krishnan, Traditional, Complementary and Integrative Medicine Unit, World Health Organization, Prof. Mohammad Idris, Head of Department, Ilmul Saidla, Ayurvedic and Unani Tibbia College, New Delhi, Vaidya Devinder Triguna, President, Association of Manufacturers of Ayurvedic Medicine, New Delhi, Shri Pradeep Multani, Vice President, PHD Chamber of Commerce and Industry, New Delhi, Dr. S. Farooq, President, Himalaya Drug Company, New Delhi, Hakim Mohsin Dehlvi, General Secretary, Unani Drug Manufacturers Association, New Delhi, Shri Arvind Varchaswi, Managing Director, Sri Sri Tattva, Bengaluru and Dr. Santosh Kumar Joshi, Member, Association of Manufacturers of Ayuvedic Medicine, New Delhi participated as the panellists.

The session began with the welcome note to the moderators and panellists of the session. In his opening remarks, Prof. Asim Ali Khan said that in the wake of new health challenges like coronavirus there is a need to explore how Unani Medicine and other traditional medicine systems could be of relevance to address

*A group photo of the distinguished speaker, moderators and Director General, CCRUM for Technical Session-IV.*

them. Moderating the discussion, Prof. Ram Vishwakarma highlighted that the modern medicine has enormously benefited from traditional systems of medicine as most of the modern medicines are derived from traditional medicine and therefore integration of traditional medicine with modern medicine is not a new phenomenon.

Dr. W. Selvamurthy said that Unani Medicine sees man as a whole; it considers physical, mental as well as spiritual wellbeing of humans. He further said that the molecular level studies of Unani polyherbal formulations are the absolute need of the hour.

Dr. Viswajanani Sattigeri said that there is tremendous potential in Unani Medicine as it has a rich natural resource in the form of polyherbal formulations. She further emphasized to create data through an evidence-based approach in order to establish confidence among practitioners of Unani Medicine and their patients.

Dr. Atul Mohan Kochhar appreciated the efforts of the CCRUM in research and development of Unani Medicine and talked about NABH and its role in providing quality health services to the masses.

Prof. Ritu Priya focused on a sustainable healthcare system and environmental integrity. She talked about how the natural ecosystem of medicine can bring innovation in modern healthcare system. Discussing the importance of interdisciplinary and transdisciplinary researches in traditional systems of medicine, she stated that research should be carried out on the principles of ancient Unani Medicine and their adoption in the present time.

Dr. Geetha Krishnan talked about various ongoing projects in WHO related to traditional system of medicine including Unani Medicine. He informed that the benchmark document for practise of Unani Medicine and for training of practitioners as well as ICD codes for Unani Medicine are under development for universal acceptance of this system.

*Esteemed moderators and panellists of the Panel Discussion Session on 'Unani Medicine: Opportunities and Challenges in Times of COVID-19'.*

Prof. Mohammad Idris discussed the historical importance of Ayurvedic and Unani Tibbia College established in Karol Bagh, New Delhi. He also highlighted the role of Unani Medicine in fighting against COVID-19 pandemic.

Prof. Yusuf Amin emphasized that to find out innovative solutions for contemporary healthcare issues from Unani Medicine and other traditional medicines, we have to look at and use them according to their own pathological and pharmacological schemes rather than converting them into their molecular counterpart.

Vaidya Devinder Triguna lauded the role of Unani Medicine in healthcare delivery and made special mention of the historical struggle of late Hakim Ajmal Khan in the propagation of Unani Medicine in the country.

Shri Pradeep Multani highlighted the need of conducting more clinical trials in Unani Medicine. He said that the investment in R&D must be increased and government approved labs should be set up in every manufacturing plant of Unani Medicine. He emphasized the need for establishing WHO and GMP

certified manufacturing plants for better quality control of Unani medicinal products.

Dr. S. Farooq termed the AYUSH systems of medicine a blessing to the mankind and stressed the need to do more research in Unani Medicine and herbal nutraceuticals. Further, he advocated the need for certification of manufacturing plants so that the global export of ASU drugs is increased.

Hakim Mohsin Dehlvi discussed the role of ASU drugs in boosting immunity and overcoming depression due to COVID-19.

Shri Arvind Varchaswi laid emphasis on the integration of AYUSH systems of medicine with modern medicine. He stressed the need to explore the ancient principles of these systems like Nabz (Nadi) examination for their better understanding.

Dr. Santosh Kumar Joshi appreciated the efforts of the CCRUM in the research and development of Unani Medicine.

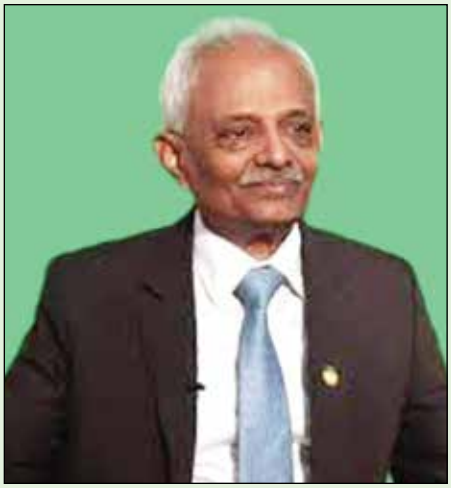

*Dr. W. Selvamurthy*

*Prof. M. Jagadesh Kumar*

*Prof. Akhtarul Wasey*

*Prof. Asim Ali Khan*

## Valedictory Session

In the valedictory session, **Shri Pramod Kumar Pathak**, Additional Secretary, Ministry of AYUSH praised the research works of CCRUM especially during the COVID-19. He appreciated the deliberations made in the conference and urged the Unani fraternity to adopt the suggestions and recommendations of experts for further growth and development of Unani Medicine.

**Prof. M. Jagadesh Kumar,** Vice Chancellor, Jawaharlal Nehru University, New Delhi emphasized the need for interdisciplinary research and collaboration, and bringing about creativity for the development of AYUSH systems of medicine.

**Prof. Akhtarul Wasey,** President, Maulana Azad University, Jodhpur highlighted the role of AYUSH in the fight against COVID-19 and said that the pandemic has increased the acceptability of AYUSH systems among people.

**Prof. M. A. Jafri,** Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi urged Unani scientists to conduct more research to address COVID-19 like health conditions.

In his wrap-up remarks, **Prof. Asim Ali Khan** summarized the scientific deliberations of the conference and thanked the dignitaries, participants and officers of the CCRUM for making the event a great success.

# National Seminar on IPR

**The CCRUM in collaboration with National Medicinal Plants Board (NMPB), Ministry of AYUSH organized a one-day National Seminar on Intellectual Property Rights (IPR) at India Habitat Centre, New Delhi on March 26, 2021. The seminar highlighted the significance of property rights and patents for a scientific organization and issues related to IPR management and commercialization.**

*Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM addressing National Seminar on IPR in the presence of dignitaries on the dais – Dr. Balvinder Shukla, Dr. Mukhtar Qasmi and Dr. R. Murugeswaran – at India Habitat Centre, New Delhi on March 26, 2021.*

The seminar was inaugurated by Dr. Balvinder Shukla, Vice Chancellor, Amity University, Noida, U.P. in the august presence of Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM, Dr. Mukhtar Qasmi, Joint Advisor (Unani), Ministry of AYUSH and Dr. R. Murugeswaran, Deputy Director, NMPB.

In her inaugural address, Dr. Balvinder Shukla highlighted the importance of patenting products of Indian origin because of the current scenario of patenting of Indian products by foreign agencies and appreciated the CCRUM for the patents it has been awarded.

In his welcome address, Prof. Asim Ali Khan provided an insight into the overall working of CCRUM, its network of hospitals and research institutes and various academic collaborations and MoUs signed over the last few years. He further said that the CCRUM has been making concerted efforts to provide scientific basis to Unani Medicine and make it acceptable to the modern and scientific world. Talking about the background of the seminar he said that it aimed to create awareness about IPR among people, particularly the scientific community to get more and more patents. The inaugural session concluded with a vote of thanks proposed by Dr. Mukhtar Qasmi.

The seminar was well-attended by scientists, researchers and students from CCRUM, NMPB, Amity University, Noida, Ayurvedic & Unani Tibbia College, New Delhi and School of Unani Medical Education and Research, Jamia Hamdard, New Delhi. The seminar was successful in its objective of sensitizing and training the participants for IPR management, technology transfer and commercialization of patents.

# Webinar on Data and its Use for Health System Strengthening

**The Central Council for Research in Unani Medicine in collaboration with Public Health Foundation of India (PHFI) organised a webinar for AYUSH professionals on 'Data and its use for health system strengthening' on January 18, 2021.**

*Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM addressing 'Webinar on Data and its Use for Health System Strengthening' in the first picture while resource persons may be seen in the second picture.*

The webinar was organised as a concluding activity of the agreement signed between the CCRUM and PHFI which sets down the mutually agreed framework for extending technical support and facilitating the implementation of population-based prophylactic studies related to COVID-19 along with modalities of activity. During the six-month joint venture around 150 AYUSH professionals from research councils and national institutes were trained in various aspects of population-based studies. The webinar was meant to sensitize and train registered AYUSH professionals working in research councils and national institutes under the Ministry of AYUSH.

Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM highlighted the importance of public health programs and activities carried out under the agreement signed as per the mandate of Ministry of AYUSH. He congratulated the team PHFI and all participants for having interactive discussions on various topics related to public health research. He farther informed that the aim of this collaboration was to strengthen research capacity of AYUSH through capacity building and to support dissemination of the findings through assisting the researchers in analyzing, interpreting, drafting and presentation of their findings. Prof. Sanjay Zodpey, Vice President, Academic, PHFI delivered inaugural remarks and appreciated the initiatives of Ministry of AYUSH, CCRUM and team from PHFI. Dr. Tanica Lyngdoh and Dr. Preeti Negandhi from PHFI were the distinguished speakers. Dr. Ghazala Javed moderated the event.

# CCRUM Releases 6 Publications

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) released six new publications in the National Conference on Unani Medicine organized to mark Unani Day on February 11, 2021 at Vigyan Bhawan, New Delhi.**

*Hon'ble Minister Shri Kiren Rijiju and other dignitaries releasing a CCRUM publication during National Seminar on Unani Medicine in New Delhi on February 11, 2021.*

Shri Kiren Rijiju, Hon'ble Minister of State (IC), Youth Affairs & Sports, Minister of State, Ministry of Minority Affairs, and Additional Charge, Minister of State (IC), Ministry of AYUSH, Government of India along with Shri Vaidya Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of AYUSH, Shri Pramod Kumar Pathak, Additional Secretary, Ministry of AYUSH, Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Dr. M. A. Qasmi, Joint Adviser (Unani), Ministry of AYUSH, Government of India released the Conference Souvenir, 'A Handbook of Common Remedies in Unani Medicine' and 'Research on Fundamentals of Unani Medicine – A Summary of Studies Conducted by CCRUM' in the inaugural session of the conference. While dignitaries in the valedictory session – Shri Pramod Kumar Pathak, Additional Secretary, Ministry of AYUSH, Prof. M. Jagadesh Kumar, Vice Chancellor, Jawaharlal Nehru University, New Delhi, Prof. Akhtarul Wasy, President, Maulana Azad University, Jodhpur, Prof. M. A. Jafri, Vice Chancellor, Jamia Hamdard, New Delhi and Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM – released 'Clinical Study of a Unani Formulation – *Ma'jūn Nisyān* in *Nisyān* (Amnesia)', 'Compendium on Patents Granted to CCRUM' and 'Medicinal Plants for Longevity' published by the CCRUM.

The conference souvenir comprises 35 messages from dignitaries and brief bios of resource persons.

'A Handbook of Common Remedies in Unani Medicine' comprises prescriptions of Unani Medicine based on easily available, beneficial and cost-effective natural drugs. The remedies and the types of diseases cover a wide range of day to day illnesses. It is enriched with prescriptions from classical texts and for each disease condition, multiple prescriptions and compound drugs along with their dosage are mentioned.

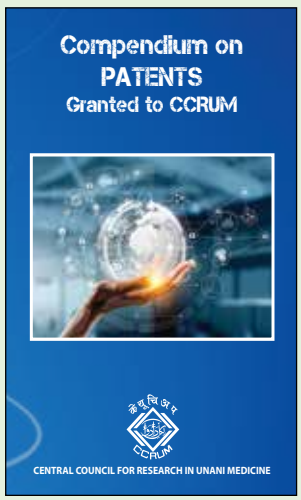

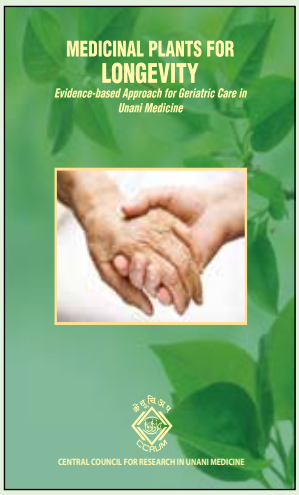

'Research on Fundamentals of Unani Medicine – A Summary of Studies Conducted by CCRUM' is comprised of a summary of 20 studies carried out under the fundamental research programme at National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders, Hyderabad. It presents a gist of polymorphism and expression studies in molecular biology, physiology and physiological chemistry.

'Clinical Study of a Unani Formulation – *Ma'jūn Nisyān* in *Nisyān* (Amnesia)' is based on the results of a clinical study conducted at three institutes of the CCRUM in 235 patients of *Nisyān* (amnesia). The study drug was found to be quite effective and no considerable adverse effects were observed during the study.

As the name suggests, 'Compendium on Patents Granted to CCRUM' presents a detailed description of the inventions for which 17 patents have been granted to the CCRUM. The publication comprising the data submitted to the Indian Patent Office with respective patent applications is meant for knowledge dissemination and apprising the society.

'Medicinal Plants for Longevity – Evidence-based Approach for Geriatric Care in Unani Medicine' comprises descriptions of medicinal plants used for longevity and healthy ageing in Unani Medicine. The information also includes references of scientific studies carried out for establishing the effects of Unani single drugs in various age related conditions. ●●●

# Participation in Workshop on New Media Content Creation

**The CCRUM participated in the Workshop on New Media Content Creation for AYUSH Professionals organized by the Central Council for Research in Yoga and Naturopathy (CCRYN) during March 19–20, 2021 in virtual mode.**

Dr. Farah Ahmed, Research Officer (Unani), CCRUM headquarters and Dr. Syeda Hajra Fatima, Research Officer (Pathology) at CCRUM's National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders attended the workshop which was focused on content creation for Wikipedia. It was designed to provide an insight into the key concepts of Wikipedia and discuss practical steps for planning new Wikipedia articles and rebut existing articles related to AYUSH.

The resource person of the workshop Shri Saket Kumar Singh, CEO of SixPL, a digital marketing agency, provided theoretical understanding and in-depth training about practical aspects of using Wikipedia platform for dissemination of knowledge about AYUSH systems.

The workshop was coordinated by Dr. B. Venkateswar Rao, Research Officer (Yoga & Naturopathy), CCRYN. ●●●

# 20-Day Countdown to Unani Day 2021

**The CCRUM and its subordinate research institutes / centres across the country organized different pre-activities as part of 20-day countdown to Unani Day 2021. The countdown was started on January 22, 2021 highlighting the background, objectives and importance of celebrating Unani Day and paying tribute to Hakim Ajmal Khan who played a pioneering role in the area of scientific research and development in Unani Medicine in the country and made significant contributions to the promotion of the system at a crucial time.**

*A view of green drive initiative undertaken at CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai.*

Since the launch of 20-day countdown, a variety of activities were organised at different locations. The institutes organized health awareness lectures, health camps, webinars, quiz competitions, essay writing and slogan writing competitions. As the theme of Unani Day 2021 was 'Unani Medicine: Opportunities and Challenges in Times of COVID-19, focus was put on the aspects related to the prevention and management of COVID-19 and topics like 'Important dietary measures to be incorporated in daily life to boost immunity', 'COVID-19 pandemic and role of Unani Medicine in boosting immunity', 'Role of Unani Medicine in post COVID-19 rehabilitation', 'Health and hygiene in COVID-19 pandemic through Unani Medicine' and 'Health promotion and preventive measures to be taken during pandemic like COVID-19 through Unani Medicine' were selected for webinars and public lectures.

Other topics of webinars and lectures organized included 'Role of *Asbāb Sitta Ḍrūriyya* in maintaining health', 'Role of Unani Medicine in maintaining health', 'Importance of personal hygiene in maintaining health', 'Health promotion and disease prevention through Unani Medicine', 'Role of *'Ilāj bi'l-Ghidhā'* (dietotherapy) in protection and promotion of health', 'Importance of minerals in human health and its possible Unani resources', 'Prevention and treatment of hypertension through Unani Medicine', 'Common gynaecological disorders and their management through Unani Medicine', 'Effect of Unani Medicine in chronic kidney diseases', 'Management of leucorrhoea through Unani Medicine', 'Management of arthritis (*Waja' al-Mafāṣil*) through Unani Medicine' and 'Diabetes and its management through Unani Medicine'.

Distribution of health literatures, distribution of immunity boosting Joshanda and other medicines and distribution of brochures highlighting activities and achievements of CCRUM also took place during the countdown period. The institutes also initiated green drive and distributed plant saplings to general public.

The deputy directors, incharges, officers and staff of the institutes/ centres played important role in making the events successful.

# Poshan Pakhwada Observed at CCRUM

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) under POSHAN Abhiyaan or National Nutrition Mission observed Poshan Pakhwada at its institutes during March 16–31, 2021 to improve nutritional outcomes for children, pregnant women and lactating mothers.**

The CCRUM institutes organized various programs and activities with a view to sensitize general public on issues concerning nutrition. The activities included organization of health camps, Yoga sessions, public lectures and talks on the management of malnutrition, related health problems and various deficiency disorders, importance and constituents of nutritious diets for different age groups, healthy lifestyle, appropriate lifestyle modification, child care, breastfeeding, etc.

Dr. N. Zaheer Ahmed, Deputy Director, Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai organized some unique activities like 'My Kitchen – My Dispensary', a fireless cooking competition, women's group meeting and fun games for women.

Dr. Mohd Tariq Khan, Research Officer (Unani) Scientist-IV and Incharge, Clinical Research Unit, Meerut also organized a host of activities and delivered lectures on sustainable forestry for food security and nutrition and addressing nutritional challenges in pregnant women, lactating mothers and different groups.

# Hindi Workshops at CCRUM Institutes

**The research institutes / centres under the CCRUM organized Hindi workshops at their respective campuses during January–March 2021. The workshops aimed at developing Hindi language skills among the staff of the institutes and stressed the need to increase use of Hindi in official as well as personal works.**

The workshops highlighted important aspects related to the implementation of official language policy. The speakers in the workshops shed light on the history of Hindi language and highlighted its significance in the present time. They shared ideas about the promotion of Hindi language and suggested ways for mastering its use in day-to-day life. They also addressed various queries of the participants regarding different practical aspects of using Hindi in official works.

Dr. Shaik Anwar Babu, Hindi Translator, Central Council for Research in Siddha was the key speaker in the workshop organized by the Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Chennai on March 11, 2021, while Shri V.N. Jha, Deputy Director (West), Hindi Teaching Scheme was the chief guest in the workshop organized by RRIUM, Mumbai on March 17, 2021. Shri Priyankar Paliwal, Secretary, Town Official Language Implementation Committee (Central Offices - 2) was the chief guest in the workshop organized by RRIUM, Kolkata on March 18, 2021.

All the officers and staff of respective institutes / centres enthusiastically participated in the workshops adhering to the COVID-19 appropriate behaviour and benefitted from the lectures and trainings.

# Workshop on PFMS Modules

**The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of AYUSH, Government of India organised a two-day Training-cum-Handholding Workshop for Agencies under the EMR Scheme for Implementation of Expenditure, Advance and Transfer (EAT) Module of PFMS at AYUSH Auditorium, Janakpuri, New Delhi during March 15–16, 2021.**

*A view of inaugural session of two-day Training-cum-Handholding Workshop on PFMS Modules organized by the CCRUM during March 15–16, 2021 in New Delhi.*

The workshop was inaugurated by Shri K K Sapra, Assistant Director (Administration), CCRUM. Shri Ajay Kumar, PFMS Cell, Controller General of Accounts, Ministry of Finance was the resource person. During the two-day workshop, he provided hands-on training to the delegates of participating agencies on overview and operation of PFMS (Public Financial Management System), a web-based online software application developed and implemented by the Controller General of Accounts (CGA), Department of Expenditure, Ministry of Finance, Government of India. The training covered the creation of user account and opening balance, mapping and addition of vendors, posting of accounting entry and other aspects of handling of EAT module.

About 30 delegates from AIIMS, New Delhi, Jawaharlal Nehru University, New Delhi, ICMR- National Institute of Cancer Prevention and Research, Noida, Vallabhbhai Patel Chest Institute, New Delhi, ICMR-National Institute of Pathology, New Delhi and Chaudhary Brahm Prakash Ayurved Charak Sansthan, New Delhi as well as CCRUM participated in the workshop and benefited.

The workshop was coordinated by Dr. Pradeep Kumar, Research Officer (Pathology) Scientist-IV and conducted by Shri Mohd. Niyaz Ahmad, Research Officer (Publication), CCRUM.

# Participation in SYNAPSE 2021

**Three officers from CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai participated in SYNAPSE 2021: 2nd International Virtual Conference on Mind Body Medicine in Endocrinology and Diabetes held during March 27–28, 2021.**

Dr. K. Kabiruddin Ahmed, Research Officer (Unani) Scientist-IV, Dr. T. Shahida Begum, Research Officer (Unani) Scientist-IV and Dr. Noman Anwar, Research Officer (Unani) from the Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai enthusiastically participated in the conference focused on endocrinology and diabetes and benefited.

# Participation in SATTE-2021

**The CCRUM participated in the 28th edition of 'SATTE-2021', a mega exhibition organized by Informa Markets at the India Expo Centre & Mart, Greater Noida, Uttar Pradesh during March 24–26, 2021.**

*Visitors having a look on health literature at CCRUM stall in SATTEE-2021 in Greater Noida during March 24–26, 2021.*

The three-day event was inaugurated by Shri Arvind Singh, Secretary - Tourism, Government of India along with other dignitaries including Dr. Abdulla Mausoom, Minister of Tourism, Maldives and Shri M P Bezbaruah, Former Secretary – Tourism, Govt. of India and Secretary General, Hotel Association of India.

The expo was organized with a comprehensive line of best practices and safety protocols. It had participation from government departments as well as private players from India and abroad.

Dr. Salim Siddiqui, Research Officer (Unani) Scientist-IV, Regional Research Institute of Unani Medicine, New Delhi and Dr. Mohd Wasim Ahmed, Research Officer (Unani) at Drug Standardization Research Institute, Ghaziabad managed the CCRUM stall and represented Ministry of AYUSH. The two officers spread awareness about health promotion and disease prevention and propagated activities of the CCRUM through distribution of IEC literature, display of informative material and one-on-one talk with visitors. ●●●

**Registration No. 34691/80**

## *About* CCRUM Newsletter

*The* CCRUM Newsletter *is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the* CCRUM Newsletter *and such reproduction is not used for commercial purposes.*

***Editor-in-Chief***
Asim Ali Khan

***Executive Editor***
Mohammad Niyaz Ahmad

***Editorial Board***
Naheed Parveen
Ghazala Javed
Jamal Akhtar
Shabnam Siddiqui

***Editorial Office***
CENTRAL COUNCIL FOR
RESEARCH IN UNANI MEDICINE
61-65, Institutional Area,
Janakpuri, New Delhi - 110 058

Telephone : +91-11-28521981, 28525982
Fax : +91-11-28522965
E-mail: unanimedicine@gmail.com
rop.ccrum@gmail.com
Website: https://ccrum.res.in

*Printed at:* Rakmo Press Pvt. Ltd., C-59, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi - 110020